Nag Panchami Ki Aarti (नाग पंचमी की आरती) :

Nag Panchami Ki Aarti (नाग पंचमी की आरती) :

जय जय नागराजा, भगवान विष्णुकी अवतारा।ष्णुकी अवतारा।
त्रिपुरारि भगवान शंकर भगवान शंकर, तुम हो सर्वभोगोंका सारा।।वभोगोंका सारा।।

धन्य धन्य वरदायक नागराज, तुम समस्तलोकोंकी राजा।
अनंतकालीन तुम्हारी महिमामा, जगतजननीका हो विस्तारा।।स्तारा।।

कालिया नागकी कथा या नागकी कथा याद दिलाती है
लाती है, भगवान श्रीकृष्ण की लीला, तुम्हें गुणगान करती है।।
जटामुकुट महाराज, शंकरी करते विलास।लास। बजरंगी जिसकेरूप मेंसकेरूप में, दिखते भगवान हनुमानखते भगवान हनुमान, धरतीपर।।

कुण्डल हैं शोभित करते
त करते, कटिभूषण मैय्या नागरानी।भूषण मैय्या नागरानी।
दर्शन केमात्रे से भवबंधन मुक्ति होती जन्मजन्मान्तरको छुहोती जन्मजन्मान्तरको छुड़ती निज नागपंचमी।।ज नागपंचमी।।

आप सभी लोगोंको नागपंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं!।।
क शुभकामनाएं!।।
जय जय नागराजा, भगवान विष्णुकी अवतारा।ष्णुकी अवतारा। त्रिपुरारि भगवान शंकर भगवान शंकर, तुम हो सर्वभोगोंका सारा।।वभोगोंका सारा।।